

प्रेषक,

विनीता कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, 7 सितम्बर 2007.

विषय : वित्तीय वर्ष 2007-08 में गौरादेवी कन्याधन योजना के अन्तर्गत धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

शासनादेश संख्या-1625/XVII(1)-1/2006-19(08)/2006, दिनांक 27 दिसम्बर 2006 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-599/XXVII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अनुसूचित जाति के परिवारों की बालिकाओं द्वारा इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से "गौरादेवी कन्याधन योजना" के अन्तर्गत रुपये 20,00,00,000/- (रुपये बीस करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. उक्त धनराशि आहरित कर जनपदों की मांग के अनुरूप तत्काल उन्हें उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
2. उक्त योजना में गत वर्ष लाभान्वित बालिकाओं की जनपदवार सूची एवं अन्य विवरण तत्काल शासन को उपलब्ध कराते हुए, उक्तानुसार अवमुक्त धनराशि से लाभान्वित बालिकाओं की सूची एवं अन्य विवरण भी शासन को समयान्तर्गत उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
3. इस आदेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि से लाभान्वित बालिकाओं की जनपदवार सूची/विवरण भी समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
4. आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपभोग प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
6. बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।

7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय की "अनुदान संख्या-30" के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक "2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण-01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-277-शिक्षा-13-अनुसूचित जातियों की बालिकाओं के शिक्षा प्रोत्साहन हेतु कन्याधन योजना-00" की मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-382(P)/XXVII(3)/2007, दिनांक 14 सितम्बर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
(विनीता कुमार)  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 888 (1)/XVII(1)-01/2007-19(08)/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. कोषाधिकारी, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. आदेश पंजीक।

आज्ञा से,

17.09.07  
(अजय सिंह नबियाल)  
अपर सचिव।